अपठित गद्यांश

निर्देश : (प्रश्न संख्या 1–5)–गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी प्रदान की जाती थी। उसे युद्ध कौशल भी सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुँमुखी विकास पर ध्यान देते थे। आज स्थिति भिन्न है, वर्तमान दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा प्राप्त करके भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति किसी भी प्रकार का कर्तव्यबोध उत्पन्न नहीं होता। वे अपनी प्राचीन परम्पराओं का सम्मान नहीं करते। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत के नीति निर्माताओं ने शिक्षा को बहुआयामी बनाने के अनेक प्रयास किए हैं। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थी के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया जा रहा है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके।

1. प्राचीन समय में विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था–

(a) भारत (b) अमेरिका
(c) रूस (d) चीन

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

प्रस्तुत गद्यांश की पहली पंक्ति में ही उद्धृत है कि प्राचीन समय में विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केन्द्र भारत था।

2. प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ ध्यान देती थीं–

(a) विद्यार्थी के व्यावहारिक विकास पर
(b) विद्यार्थी के स्वास्थ्य पर
(c) विद्यार्थी के चहुँमुखी विकास पर
(d) पुस्तकीय विकास पर

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

प्रस्तुत गद्यांश की पाँचवीं से छठीं पंक्ति में उद्धृत है कि प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ विद्यार्थी के चहुँमुखी विकास पर ध्यान देती थीं।

3. नवीन शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है–

(a) रोजगार करने के लिए
(b) राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए
(c) प्राचीन परम्पराओं का सम्मान करने के लिए
(d) किसी के लिए नहीं

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

प्रस्तुत गद्यांश की अंतिम पंक्ति से ऊपर तीसरी पंक्ति में उद्धृत है कि नवीन शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

4. नवीन शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है ताकि–

(a) राष्ट्र का विकास हो सके
(b) शिक्षितों को रोजगार मिल सके
(c) विद्यार्थियों का नैतिक, शारीरिक व मानसिक विकास हो सके
(d) विदेशी विद्यार्थी आकर शिक्षा ग्रहण कर सके

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

प्रस्तुत गद्यांश की अंतिम पंक्ति में उद्धृत है कि नवीन शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है ताकि शिक्षितों को रोजगार मिल सके।

5. 'पुस्तकीय' शब्द में प्रत्यय बताइए–

(a) कीय (b) य
(c) ईय (d) इय

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

'पुस्तकीय' (पुस्तक + ईय) शब्द में 'ईय' प्रत्यय लगा है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 6–10)—काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

धर्म का दीपक, दया का दीप,
कब जलेगा, कब जलेगा विश्व में भगवान?
कब सुकोमल ज्योति से अभिसिक्त,
हो सरस होंगे, जली-सूखी रसा के प्राण।
है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार,
पर नहीं अब तक सुशीतल हो सका संसार।
भोग-लिप्सा आज भी लहरा रही उद्दाम
बुद्ध हों कि अशोक, गाँधी हों कि ईसु महान।
सिर झुका सबको, सभी को श्रेष्ठ निज से मान,
मात्र वाचिक ही उन्हें देता हुआ सम्मान।
दग्ध कर पर को, स्वयं भी भोगता दुख-दाह,
जा रहा मानव चला अब भी पुरानी राह।

6. मनुष्य गाँधी आदि महापुरुषों को वाचिक सम्मान दे रहा है, अर्थात्.............।

(a) उन्हें सिर झुकाता है
(b) उनका आदर करता है
(c) उनके सम्मान का दिखावा करता है
(d) दु:ख भोगता है

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

मनुष्य गाँधी आदि महापुरुषों को वाचिक सम्मान दे रहा है, अर्थात् उनके सम्मान का दिखावा करता है।

7. अमृत रूपी शांति की धार बरसने पर भी संसार में क्या व्याप्त है?

(a) नदियों की स्वच्छ धारा (b) सच्चा सुख व शांति
(c) अज्ञान, दु:ख व अराजकता (d) प्रेम व भाईचारा

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

अमृत रूपी शांति की धार बरसने पर भी संसार में अज्ञान, दु:ख व अराजकता व्याप्त है।

8. कवि उस स्थिति की आशा नहीं कर पा रहा है, जब................।

(a) ज्ञान का प्रकाश फैलेगा
(b) भौतिक बंधनों से मानव मुक्त होगा
(c) दूसरों को सुख पहुँचाकर मानव सुखी होगा
(d) मानवता का नव-विकास होगा

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

कवि उस स्थिति की आशा नहीं कर पा रहा है, जब ज्ञान का प्रकाश फैलेगा।

9. शांति व सुख की स्थापना तब होगी जब मनुष्य................।

(a) कार्य करेगा (b) बड़ों का आदर करेगा
(c) नई राह पर चलेगा (d) पुरानी राह पर चलेगा

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

शांति व सुख की स्थापना तब होगी जब मनुष्य नई राह पर चलेगा।

10. कौन-सी प्रवृत्ति आज भी दु:खों का कारण है?

(a) अहिंसा व त्याग की (b) भोग-विलास की
(c) मानवता व समानता की (d) सत्य व प्रेम की

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

भोग-विलास की प्रवृत्ति आज भी दु:खों का कारण है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 11–13)—गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

'इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गयी है। संसार का इतिहास उठाकर देखिये और उदाहरण ढूँढ-ढूँढ कर सामने रखिये तो आपको विदित हो जायेगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिसके लिये हम आँखे बिछाने तक को तैयार रहते हैं, जिसकी स्मृति तरोताजा रखने के लिये हम अनेक तरह के स्मारक चिह्न बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किये थे, जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्थाओं में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं है। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गये। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय सच्चे मनुष्यत्व का परिचय दिया है'।

11. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

(a) धन की लोलुपता (b) धन की महत्ता
(c) धन और मनुष्यता (d) मनुष्यता का महत्त्व

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

गद्यांश का उचित शीर्षक 'धन और मनुष्यता' होगा।

12. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, संसार में किस तरह के मनुष्य की पूजा होती है?

(a) जो धनार्जन एवं त्याग दोनों करता है।

(b) जो पैसे को कल्याणकारी कार्यों में लगाता है।

(c) जो मानवता की सेवा में लगा रहता है।

(d) जो सच्चे मनुष्यत्व के लिए कार्य करता है।

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, संसार में उस मनुष्य की पूजा होती है जो सच्चे मनुष्यत्व के लिए कार्य करता है।

13. धन की पूजा से क्या अभिप्राय है?

(a) धन से ज्यादा मानवता प्रबल है।

(b) धन कमाने वाला अधिक नाम नहीं कर पाता है।

(c) धन की पूजा व्यक्ति को स्वार्थी बनाती है।

(d) धन कमाने की अपेक्षा सच्चा मनुष्य होना ज्यादा अच्छा है।

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

धन की पूजा से अभिप्राय है कि धन कमाने वाला अधिक नाम नहीं कर पाता है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 14-17)—काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आज बरसों बाद उठी है इच्छा
हम कुछ कर दिखाएँ
एक अनोखा जश्न मनाएँ
अपना कोरा अस्तित्व जमाएँ
आज बरसों बाद सूखे पत्तों पर
बसंत ऋतु आई है
विचार रूपी कलियों पर
बहार खिल आई है
गहनता की फसल लहलहाई है
शायद इसी कारण
आज बरसों बाद
उठी है इच्छा हम कुछ कर दिखाएँ
अपना कोरा अस्तित्व जमाएँ।

14. कवि के मन में इच्छा उत्पन्न हुई है ....।

(a) कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य करने की

(b) मन से बातें करने की

(c) खुशियाँ मनाने की

(d) अपनी पहचान बनाने की

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

कवि के मन में कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य करने की इच्छा उत्पन्न हुई है।

15. किन कलियों पर बहार का आगमन हुआ है?

(a) भाव रूपी कलियों पर (b) विचारों की कलियों पर

(c) छोटी नई कलियों पर (d) शुष्क कलियों पर

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

विचारों की कलियों पर बहार का आगमन हुआ है।

16. 'सूखे पत्ते' प्रतीक हैं.......................।

(a) पतझड़ के (b) अकाल के

(c) मन के सूनेपन के (d) शुष्कता के

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

'सूखे पत्ते' मन के सूनेपन के प्रतीक हैं।

17. 'गहनता की फसल' से कवि का क्या आशय है?

(a) विचारों में परिपक्वता (b) अपना अस्तित्व

(c) लहलहाती फसलें (d) विचारों की गंभीरता

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

'गहनता की फसल' से कवि का आशय है 'विचारों में परिपक्वता'।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 18-21)—काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ओह, समय पर उसमें कितनी फलियाँ फूटी!
कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ,
यह, धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
न समझ पाया था मैं उसके महत्व को,
बचपन में छि: स्वार्थ लोभ वश पैसे बोकर!
रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ!
इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
जिससे उगल सके फिर धूल सुनहली फसलें
मानवता की-जीवन श्रम से हँसें दिशाएँ।
हम जैसा बोएँगे वैसा ही पाएँगे।

18. कवि किसका महत्व नहीं समझ पाया था?

(a) माँ का (b) धरती माँ का

(c) परिश्रम का (d) बचपन का

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

कवि धरती माँ का महत्व नहीं समझ पाया था।

19. कवि ने बचपन में किस भाव से पैसे बोए थे?

(a) निःस्वार्थ भाव से (b) सोच विचार से

(c) स्वार्थ एवं लोभ से (d) मोह से

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

कवि ने बचपन में स्वार्थ एवं लोभ भाव से पैसे बोए थे।

20. मानवता की सुनहली फसलें कब उगेंगी?

(a) जब हम परिश्रम करेंगे

(b) जब समता और क्षमता के बीज बोए जाएँगे।

(c) जब चारों ओर शान्ति होगी

(d) जब धूल सोना उगलेगी

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

जब समता और क्षमता के बीज बोए जाएँगे तब मानवता की सुनहली फसलें उगेंगी।

21. 'धरती कितना देती है' का आशय है-

(a) बहुत कम देती है। (b) कितना देती है?

(c) बहुत अधिक देती है। (d) कुछ देती ही कहाँ है?

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

'धरती कितना देती है' का आशय है- बहुत अधिक देती है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 22-26)– निम्नलिखित अवतरण पर आधारित पाँच प्रश्न दिए गए हैं। अवतरण को ध्यान से पढ़िए तथा प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए तथा निर्देशानुसार चिह्न लगाइए।

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए चरित्र निर्माण परम आवश्यक है। जिस प्रकार वर्तमान में भौतिक निर्माण का कार्य अनेक योजनाओं के माध्यम से तीव्र गति के साथ सम्पन्न हो रहा है, वैसे ही वर्तमान की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि देशवासियों के चरित्र निर्माण के लिए भी प्रयत्न किया जाए। उत्तम चरित्रवान व्यक्ति ही राष्ट्र की सर्वोच्च संपदा है। जनतंत्र के लिए तो यह एक महान कल्याणकारी योजना है। जन-समाज में राष्ट्र, संस्कृति, समाज एवं परिवार के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है इसका पूर्ण रूप से बोध कराना एवं राष्ट्र में व्याप्त समग्र भ्रष्टाचार के प्रति निषेधात्मक वातावरण का निर्माण करना ही चरित्र निर्माण का प्रथम सोपान है।

पाश्चात्य शिक्षा और संस्कृति के प्रभाव से आज हमारे मस्तिष्क में भारतीयता के प्रति 'हीन भावना' उत्पन्न हो गई है। चरित्र निर्माण, जो कि बाल्यावस्था से ही ऋषिकुल, गुरुकुल, आचार्यकुल की शिक्षा के द्वारा प्राचीन समय से किया जाता था, आज की लॉर्ड मेकाले की शिक्षा पद्धति से संचालित स्कूलों एवं कॉलेजों के लिए एक हास्यास्पद विषय बन गया है। आज यदि कोई पुरातन संस्कारी विद्यार्थी संध्यावंदन या शिखा-सूत्र रखकर भारतीय संस्कृतिमय जीवन बिताता है, तो अन्य छात्र उसे 'बुद्धू' या अप्रगतिशील कहकर उसका मजाक उड़ाते हैं। आज हम अपने भारतीय आदर्शों का परित्याग करके पश्चिम के अंधानुकरण को ही प्रगति मान बैठे हैं। इसका घातक परिणाम चारित्र्य-दोष के रूप में आज देश में सर्वत्र दृष्टिगोचर हो रहा है।

22. चरित्र निर्माण की परम आवश्यकता है-

(a) समाजोपयोगी कार्यों के लिए

(b) राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए

(c) राष्ट्र की योजनाओं के संचालन के लिए

(d) मानवमात्र के कल्याण के लिए

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

प्रस्तुत अवतरण की प्रथम पंक्ति में ही उद्धृत है कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए चरित्र निर्माण की परम आवश्यकता है।

23. जनतंत्र के लिए लाभकारी हो सकते हैं-

(a) निष्ठावान श्रमिक (b) धनवान व्यक्ति

(c) उत्तम चरित्रवान व्यक्ति (d) शक्तिशाली सिपाही

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

प्रस्तुत अवतरण के आधार पर उत्तम चरित्रवान व्यक्ति जनतंत्र के लिए लाभकारी हो सकते हैं।

24. उन्नत राष्ट्र के लिए विकास का प्रथम सोपान है-

(a) भ्रष्टाचार के प्रति निषेधात्मक वातावरण

(b) जनता में सांप्रदायिक सद्भाव

(c) राजनीति के कुशल दाँव-पेंच

(d) चरित्र निर्माण के लिए शैक्षिक वातावरण

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

प्रस्तुत अवतरण में यह दृष्टिगोचर है कि भ्रष्टाचार के प्रति निषेधात्मक वातावरण उन्नत राष्ट्र के लिए विकास का प्रथम सोपान है।

25. अप्रगतिशील रूप में मजाक उड़ाया जाता है, जो-
(a) पाश्चात्य संस्कृति को हृदय से अपनाता है
(b) सत्संग में अधिक समय नहीं बिताता
(c) धार्मिक वातावरण में जीवन बिताता है
(d) भारतीय संस्कृतिमय जीवन बिताता है

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

प्रस्तुत अवतरण में स्पष्ट रूप से वर्णित है कि जो विद्यार्थी भारतीय संस्कृतिमय जीवन बिताता है,उसका अप्रगतिशील रूप में मजाक उड़ाया जाता है।

26. भारतीयता के प्रति हीन भावना का कारण है-
(a) पुरातन संस्कारी संस्कृतिमय जीवन
(b) लॉर्ड मेकाले की शिक्षा पद्धति
(c) प्राचीन गुरुकुल की शिक्षा पद्धति
(d) वर्तमान वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

प्रस्तुत अवतरण में स्पष्ट है कि लॉर्ड मेकाले की शिक्षा पद्धति भारतीयता के प्रति हीन भावना का कारण है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 27-32)—निम्नलिखित गद्यांश को भली-भाँति पढ़ें। इससे संबद्ध प्रश्नों में प्रत्येक के चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं। इनमें से सही उत्तर का चयन कर उसे चिह्नित करें।

क्या हम बिना क्रोध किए, शांत रह सकते हैं? बात तो क्रोध करने की हो, पर अपने को शांत रखना ही योग है। इस महायोग की प्रवृत्ति हम स्वयं पैदा कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण है कि हम एकांत में बैठें- आस्था रखें कि हाँ मुझे शांत रहना है। मुझे किसी भी परिस्थिति में, उत्तेजित नहीं होना है- और मैं ऐसा कर सकता हूँ। अतः एकाग्रचित्त होकर दृढ़ संकल्पशक्ति द्वारा हम शांत रहने की प्रवृत्ति को अपना कर क्रोध पर काबू पा सकते हैं। शांत रहने का मार्ग अपनाने पर, हमारी दुनिया बदल जाएगी और जीवन अधिक आनंदमय लगेगा। हमारे चेहरे पर नई चमक, कार्य में नया उत्साह, हृदय में निर्मलता एवं शीतलता का स्वयं अनुभव होने लगेगा। बिना श्रम के, बिना किसी खर्च के और किसी उपचार के बिना ही पाचन क्रिया स्वतः ठीक होने पर, छोटे-मोटे रोग दूर भाग जाएंगे। खीजना, गुस्सा करना, चीखना-चिल्लाना और बड़बड़ाते रहना, हमारे मन के गुबार को ही परिलक्षित करते हैं। इनसे हमारी पहचान पर धब्बा लग जाता है और हमारे ओजस्वी चेहरे पर चिंता की रेखाएं उभर आती हैं। अगर हम कुछ समय निकाल कर, पूर्ण समर्पण के साथ शांत रहने की आदत डालें तो निश्चय ही सफलता हमारे कदम चूमेगी। शांत रहने की प्रक्रिया में, यदि हम रात्रि को शयनकक्ष में जाने से पूर्व, अपनी व्यक्तिगत दैनन्दिनी (डायरी) में दिन भर की वे घटनाएं लिखते रहें जब हम शांत नहीं रह सके। कुछ दिनों बाद वही दैनन्दिनी पढ़ने पर आप अपनी तब की कमजोरी पर स्वयं हँस पड़ेंगे। कितनी छोटी बात पर हम क्रोध करने लगते हैं। आओ! गुस्सा व उत्तेजना को फेंक दें और शांत रहना शुरू करें।

27. उपर्युक्त गद्यांश का सही शीर्षक है
(a) शांत रहो-सुखी रहो
(b) सफलता का उपाय
(c) एकाग्रचित बनो
(d) क्रोध में अमंगल

UPSSSC आशुलिपिक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'शांत रहो-सुखी रहो' है।

29. क्रोध आने की स्थिति में शांत रहने की प्रवृत्ति को क्या नाम दिया गया है?
(a) सुख का मार्ग
(b) क्रोध पर विजय
(c) महायोग
(d) शांति

UPSSSC आशुलिपिक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

प्रस्तुत गद्यांश की प्रथम पंक्ति से लेकर तृतीय पंक्ति तक पढ़ने पर यह स्पष्ट होता है कि क्रोध आने की स्थिति में शांत रहने की प्रवृत्ति को 'महायोग' नाम दिया गया है।

30. क्रोध को काबू में रखने में मुख्यतः कौन-से रोग दूर होते हैं?
(a) मन के गुबार
(b) पाचन क्रिया से जुड़े
(c) अशांत रहना
(d) चीखना-चिल्लाना

UPSSSC आशुलिपिक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

गद्यांश के मध्य भाग में यह उल्लेख है कि बिना श्रम के, बिना किसी खर्च के और किसी उपचार के बिना ही पाचन क्रिया स्वतः ठीक होने पर छोटे-मोटे रोग दूर भाग जाएंगे। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (b) सही है।

31. चिंता की रेखाएँ कहाँ उभर आती हैं?
(a) गालों पर
(b) मस्तक पर
(c) सारे शरीर पर
(d) ओजस्वी चेहरे पर

UPSSSC आशुलिपिक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

गद्यांश के अंतिम मध्य भाग में यह उल्लेख है कि हमारे ओजस्वी चेहरे पर चिंता की रेखाएँ उभर आती हैं। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (d) सही है।

32. शांत रहने की प्रक्रिया में आगे बढ़ने के लिए रात को क्या करें?

(a) डायरी पर लिखे हुए अनुभव पढ़ें

(b) शांत वातावरण में सोने जाएँ

(c) क्रोध के अनुभव डायरी पर लिखें

(d) विश्वासपूर्वक प्रभु से प्रार्थना करें

UPSSSC आशुलिपिक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

गद्यांश में स्पष्ट उल्लेख है कि शांत रहने की प्रक्रिया में यदि हम रात्रि को शयनकक्ष में जाने से पूर्व, अपनी व्यक्तिगत दैनन्दिनी (डायरी) में दिन भर की वे घटनाएं लिखते रहें जब हम शांत नहीं रह सके अर्थात क्रोध के अनुभव डायरी पर लिखें। स्पष्ट है विकल्प (c) सही है।

निर्देश : गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और इसके आधार पर प्रश्न-संख्या 33 से 34 तक उत्तर दीजिए।

साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी है। उस पर अटारियाँ-मीनार-गुम्बद बनते हैं। उन्हें देखने को भी जी नहीं चाहेगा। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध, सुगम तथा मर्यादाओं से परिमित है। जीवन, परमात्मा को अपने कार्यों का जवाबदेह है या नहीं? हमें नहीं मालूम लेकिन साहित्य तो मुनष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून हैं, जिनसे वह इधर-उधर नहीं हो सकता। जीवन उद्देश्य ही आनन्द है। मनुष्य जीवन पर्यन्त आनन्द की खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में; किसी को लम्बे-चौड़े भवन तथा किसी को ऐश्वर्य में; किन्तु साहित्य का आनन्द इस आन्नद से ऊँचा है; उसका आधार सुन्दर और सत्य है। वास्तव में, सच्चा आनन्द सुन्दर और सत्य से मिलता है। उसी आनन्द को प्रकट करना, वही आनन्द उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य अथवा भोग के आनन्द में ग्लानि छुपी होती है; पश्चाताप भी होता है। दूसरी ओर सुन्दर से जो आनन्द प्राप्त है, वह अखण्ड है; अमर है।

33. सबसे ऊँचा आनन्द वह होता है, जो -

(a) भौतिक साधनों से प्राप्त होता है

(b) सत्य से प्राप्त होता है

(c) साहित्य से प्राप्त होता है

(d) परमात्मा से प्राप्त होता है

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-I परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर सबसे ऊँचा आनन्द वह होता है, जो साहित्य से प्राप्त होता है।

34. सच्चा आनन्द किससे मिलता है-

(a) साहित्य से (b) परमात्मा से

(c) सुन्दर और सत्य से (d) भोग और ऐश्वर्य से

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-I परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर सच्चा आनन्द सुन्दर और सत्य से प्राप्त होता है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 35-39)—काव्यांश को पढ़िए और उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

कुछ भी बन, बस कायर मत बन
ठोकर मार, पटक मत माथा
तेरी राह रोकते पाहन
कुछ भी बन, बस कायर मत बन
ले-देकर जीना, क्या जीना?
कब तक गम के आँसू पीना?
मानवता ने तुझको सींचा
बहा युगों तक खून पसीना!

35. कवि क्या करने की प्रेरणा दे रहा है?

(a) गम के आँसू पीने की

(b) आत्म समर्पण की

(c) रुकावटों को ठोकर मारने की

(d) कुछ भी न बनने की

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

प्रस्तुत काव्यांश में कवि रुकावटों को ठोकर मारकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है।

36. कवि के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यर्थ है?

(a) आदर्शवादी

(b) समझौतावादी

(c) खून-पसीना बहाकर

(d) रुकावटों को ठोकर मारना

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने 'ले-देकर जीना, क्या जीना?' कहा है जिसका अर्थ है- समझौतावादी जीवन व्यर्थ है।

37. इन पंक्तियों में कायर का अर्थ है-

(a) सहज (b) समझौतावादी

(c) चालाक (d) दुष्ट

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

प्रस्तुत पंक्तियों में कायर का अर्थ समझौतावादी है।

38. पाहन शब्द का पर्यायवाची है-

(a) मेहमान (b) पैर

(c) पत्थर (d) पर्वत

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

पत्थर, प्रस्तर, पाषाण इत्यादि पाहन के पर्यायवाची हैं। पैर का पर्यायवाची चरण तथा पाद और पर्वत का पर्यायवाची गिरि तथा शैल हैं।

39. ''कुछ भी बन बस कायर मत बन'' कवि ने क्यों कहा है?

(a) कुछ भी बनना आसान है

(b) कुछ भी बनना मुशकिल है

(c) कायर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है

(d) कायर मनुष्य अच्छा नहीं होता

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने कुछ भी बन बस कायर मत बन' इसलिए कहा क्योंकि कायर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 40-44)—अवतरण को पढ़कर सम्बद्ध वैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर का चयन कर उसे चिह्नित करें।

शिक्षा को वैज्ञानिक और प्राविधिक मूलाधार देकर हमने जहाँ भौतिक परिवेश को पूर्णतया परिवर्तित कर दिया है और जीवन को अप्रत्याशित गतिशीलता दे दी है, वहाँ साहित्य, कला, धर्म और दर्शन को अपनी चेतना से बहिष्कृत कर मानव विकास को एकांगी बना दिया है। पिछली शताब्दी में विकास के सूत्र प्रकृति के हाथ से निकलकर मनुष्य के हाथ में पहुँच गये हैं, विज्ञान के हाथ में पहुँच गये हैं और इस बन्द गली में पहुँचने का अर्थ मानव जाति का नाश भी हो सकता है। इसलिए नैतिक और आत्मिक मूल्यों को साथ-साथ विकसित करने की आवश्यकता है, जिससे विज्ञान हमारे लिए भस्मासुर का हाथ न बन जाये। व्यक्ति की क्षुद्रता यदि राष्ट्र की क्षुद्रता बन जाती है, तो विज्ञान भस्मासुर बन जाता है। इस सत्य को प्रत्येक क्षण सामने रखकर ही अणु-विस्फोट को मानव प्रेम और लोकहित की मर्यादा दे सकेंगे। अपरिसीम भौतिक शक्तियों का स्वामी मानव आज अपने व्यक्तित्व के प्रति आस्थावान नहीं है और प्रत्येक क्षण अपने अस्तित्व के सम्बन्ध में शंकाग्रस्त है।

40. आज का मानव अपने व्यक्तित्व और अस्तित्व के प्रति इसलिए शंकालु है, क्योंकि-

(a) मानव ईश्वर के प्रति आस्थावान नहीं है।

(b) वह सीमित भौतिक शक्तियों का स्वामी है।

(c) वह विज्ञान की विध्वंसक शक्तियों से भयभीत है।

(d) उसका आत्मविश्वास लुप्त होता जा रहा है।

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

आज का मानव अपने व्यक्तित्व एवं अस्तित्व के प्रति इसलिए शंकालु है, क्योंकि वह विज्ञान की विध्वंसक शक्तियों से भयभीत है।

41. हमारी विज्ञानाधृत शिक्षा की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण देन है-

(a) जीवन का अपरिसीम भौतिक विकास

(b) जीवन का सर्वांगीण विकास

(c) जीवन का एकांगी विकास

(d) गतिशील जीवन का प्रत्यावर्तन

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

हमारी विज्ञानाधृत शिक्षा की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण देन है जीवन का अपरिसीम भौतिक विकास।

42. मानव जीवन को भस्मासुर बनने से कैसे रोक सकता है?

(a) भौतिक जीवन-मूल्यों का निर्धारण करके

(b) नैतिक-आत्मिक मूल्यों को विकसित करके

(c) प्रकृति-जगत का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त करके

(d) मानव सभ्यता का विनाश करके

UPSSSC चकबंदी (सा. चयन) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

नैतिक-आत्मिक मूल्यों को विकसित करके मानव जीवन को भस्मासुर बनने से रोक सकता है।

43. आधुनिक मानव विकास को सर्वांगीण नहीं कहा जा सकता, क्योंकि-

(a) विकास के सूत्र मानव के हाथ में हैं

(b) भौतिक परिवेश पूर्णतया परिवर्तित हो गया है

(c) साहित्य, धर्म,कला आदि मानव चेतना से निर्वासित हैं

(d) जीवन में आशातीत गतिशीलता का समावेश नहीं हुआ

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

आधुनिक मानव विकास को सर्वांगीण नहीं कहा जा सकता, क्योंकि साहित्य, धर्म, कला आदि मानव चेतना से निर्वासित हैं।

44. अणु-विस्फोट को मानवतावाद की मर्यादा देना तभी सम्भव है, जब व्यक्ति की -

(a) क्षुद्रता को राष्ट्र की क्षुद्रता न बनने दिया जाये

(b) क्षुद्रता जब राष्ट्र की क्षुद्रता बन जाये

(c) क्षुद्र भावनाओं का उन्नयन हो

(d) उदात्त भावनाओं को विकसित किया जाये

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

अणु-विस्फोट को मानवतावाद की मर्यादा देना तभी सम्भव है, जब व्यक्ति की क्षुद्रता को राष्ट्र की क्षुद्रता न बनने दिया जाये।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 45-49)—अवतरण को पढ़कर सम्बद्ध वैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर का चयन कर उसे चिह्नित करें।

हम सब लोग एक भीड़ से गुजर रहे हैं। जो सवेरे घर से निकलकर दफ्तर और वापस घर जाकर अपना दिन सार्थक करते हैं, उन्हें भीड़ से सिर्फ बस में साक्षात्कार होता है। जो मोटर से चलते हैं उनके लिए भीड़ एक अवरोध है जिसे वे लोग सशक्त और फुर्तीली सवारी गाड़ी से पार कर जाते हैं। जो पैदल चलते हैं वे खुद भीड़ हैं। लेकिन ये तीनों वास्तव में न तो भीड़ से कुछ समय के लिए निपट कर बाकी समय मुक्त हैं न अलग-अलग रास्तों के कारण भीड़ के अन्दर कम या ज्यादा फँसे हुए हैं। ये सब बिल्कुल एक ही तरह से और हर समय पूरी तौर से भीड़ में फँस चुके हैं। सिर्फ इतना है कि ये जानते नहीं, और यह तो बिल्कुल नहीं जानते कि जिसके पास सत्ता है, वह राज्य की हो या संगठित उद्योग की, वह भीड़ का इस्तेमाल भीड़ में फँसे प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध करता है। जान भी लें तो सिर्फ इतना जानते हैं कि हम इस संसार के नहीं रह गए हैं और हमारे चारों तरफ जीवन नहीं बल्कि भीड़ है जो अपनी शक्ल भीड़ के पर्दे पर नहीं देख सकते। अगर किसी को यह शक्ल दिखाई देने लगे तो उसे मालूम होता है कि अब वह जिस भीड़ को पहचानता है वह अभी तक उसके विरुद्ध इस्तेमाल की जाती रही है। अपनी शक्ल का यह परिचय कवि के लिए, जो एक भीड़ से अन्य सामान्यजनों की अपेक्षा अधिक गहरा भाषायी सम्बन्ध रखता है, एक मुक्त कर देने वाला अनुभव बन जाता है। उसका विपर्यय भी सही है कि जब तक उसे अपनी शक्ल नहीं दिखाई देती, वह फँसा रहता है।

45. उपर्युक्त गद्यांश का सही शीर्षक है-

(a) भीड़ का इस्तेमाल (b) भीड़ में फँसे लोग

(c) भीड़ की शक्ल (d) भीड़ में कवि

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

प्रस्तुत गद्यांश का सही शीर्षक 'भीड़ की शक्ल' है।

46. भीड़ से मुक्ति का उपाय है-

(a) भीड़ में अपनी शक्ल देखना (b) भीड़ में खो जाना

(c) भीड़ का इस्तेमाल करना (d) भीड़ से दूर रहना

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

प्रस्तुत गद्यांश के अन्तिम पंक्ति में यह उद्धृत है कि जब तक उसे अपनी शक्ल नहीं दिखाई देती, वह फँसा रहता है अर्थात् भीड़ से मुक्ति का उपाय भीड़ में अपनी शक्ल देखना है।

47. भीड़ किनके लिए रुकावट है?

(a) बस में चलने वालों के लिए

(b) मोटर में चलने वालों के लिए

(c) दौड़ने वालों के लिए

(d) पैदल चलने वालों के लिए

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

प्रस्तुत गद्यांश के चौथी पंक्ति में स्पष्ट है कि जो मोटर से चलते हैं उनके लिए भीड़ एक अवरोध है। अत: विकल्प (b) सही उत्तर है।

48. भीड़ का इस्तेमाल किसके विरुद्ध किया जाता है?

(a) जनता के विरुद्ध (b) विरोधियों के विरुद्ध

(c) भीड़ में फँसे लोगों के विरुद्ध (d) सरकार के विरुद्ध

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

प्रस्तुत गद्यांश में स्पष्ट है कि जिनके पास सत्ता है, वह राज्य की हो या संगठित उद्योग की, वह भीड़ का इस्तेमाल भीड़ में फँसे प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध करता है। अत: स्पष्ट है कि विकल्प (c) सही है।

49. भीड़ का इस्तेमाल कौन करता है?

(a) नेता (b) सरकार

(c) पूँजीपति (d) सत्ताधारी

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

प्रस्तुत गद्यांश में स्पष्ट है कि भीड़ का इस्तेमाल सत्ताधारी करता है।

वर्ण एवं ध्वनि विचार

उच्चारण

1. किस वर्ण का उच्चारण-स्थान कण्ठ-तालु है?

(a) ह (b) छ

(c) ओ (d) ऐ

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

कण्ठ और तालु में जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण हैं – ए, ऐ।

2. 'व' का उच्चारण स्थान है -

(a) दन्त (b) ओष्ठ

(c) दन्तोष्ठ (d) कण्ठोष्ठ

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-I परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

दाँत से, जीभ और ओठों के कुछ योग से बोला जाने वाला वर्ण दन्तोष्ठ कहलाता है। 'व' इस वर्ग में शामिल है।

3. हिन्दी शब्दकोश में ''क्ष'' का क्रम किस वर्ण के बाद आता है?

(a) क (b) छ

(c) त्र (d) ज्ञ

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

डॉ. हरदेव बाहरी के राजपाल हिन्दी शब्दकोश के अनुसार सर्वप्रथम क शब्द, तत्पश्चात क्, इसके बाद 'क्ष' वर्ण आता है।

4. इनमें से कौन संयुक्त व्यंजन नहीं है?

(a) क्ष (b) त्र

(c) ज्ञ (d) फ

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

क् + ष् = क्ष

त् + र् = त्र

ज् + ञ् = ज्ञ

श् + र् = श्र

ये संयुक्त व्यंजन हैं। इनकी गिनती स्वतन्त्र वर्णों में नहीं होती है।

फ - प वर्ग का वर्ण है।

5. निम्न में से कौन-सा व्यंजन पार्श्विक है?

(a) य (b) श

(c) ल (d) झ

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

य, व - अर्द्ध स्वर हैं।

ल - पार्श्विक व्यंजन (जिसके उच्चारण में हवा जीभ के पार्श्व अर्थात् बगल से निकल जाए) है।

झ - तालव्य, सघोष, महाप्राण है।

श - तालव्य, अघोष, महाप्राण है।

स्वर

1. 'ऐ' के उच्चारण स्थान का नाम है–

(a) तालव्य (b) दंत्य

(c) कंठौष्ठ्य (d) कंठतालव्य

UPSSSC राजस्व निरीक्षक परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

'ए' तथा 'ऐ' का उच्चारण स्थान कंठतालव्य है। 'ओ', 'औ' का उच्चारण स्थान कंठौष्ठ्य है। च वर्ग का उच्चारण स्थान तालव्य और त वर्ग का उच्चारण स्थान दंत्य है।

2. भाषा-विज्ञान की दृष्टि से 'ऊ' किस प्रकार स्वर है?

(a) पश्च विवृत (b) अग्र संवृत

(c) अग्र विवृत (d) पश्च संवृत

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

भाषा विज्ञान की दृष्टि से 'ऊ' के उच्चारण में जीभ का पश्च भाग काम करता है। अतः यह पश्च स्वर है। 'ऊ' के उच्चारण में ओष्ठ वृत्तमुखी या गोलाकार तथा जीभ ऊपर उठने के कारण संवृत्त स्वर भी होता है।

3. हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' क्या हैं?

(a) स्वर (b) व्यंजन

(c) अयोगवाह (d) संयुक्त व्यंजन

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' अयोगवाह हैं। संयुक्त व्यंजन हैं– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

व्यंजन

1. कौन-सी ध्वनि महाप्राण नहीं है?

(a) ख (b) घ

(c) ज (d) झ

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास अधिक मात्रा में निकलती है उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। इसके अन्तर्गत वर्गों के द्वितीय और चतुर्थ वर्ण तथा समस्त ऊष्म वर्ण (ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ आदि) आते हैं। इसी प्रकार वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास की मात्रा निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। इसके अन्तर्गत वर्गों के प्रथम, तृतीय तथा पंचम वर्ण (क,ग,ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, म आदि) आते हैं। अंतःस्थ व्यंजन (य, र, ल, व) भी अल्पप्राण व्यंजन हैं। अतः स्पष्ट है कि 'ज' महाप्राण व्यंजन नहीं बल्कि अल्पप्राण व्यंजन है।

2. निम्न में से कौन-सा व्यंजन स्पर्श-संघर्षी है?

(a) ज (b) र

(c) ह (d) ष

UPSSSC अमीन परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

'ज' व्यंजन स्पर्श-संघर्षी है। आधुनिक पारिभाषिक शब्दावली में स्पर्श-संघर्षी व्यंजन 5 हैं–च, छ, ज, झ, ञ (च वर्ग)।

3. हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या है-

(a) 32 (b) 34

(c) 33 (d) 36

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

हिन्दी वर्णमाला में 33 मूल व्यंजन हैं। इसके अतिरिक्त 2 उत्क्षिप्त व्यंजन, 2 अयोगवाह एवं 4 संयुक्ताक्षर व्यंजन हैं। इसमें 11 मूल स्वरों को मिला देने पर हिन्दी में कुल 52 वर्ण हो जाते हैं।

4. निम्न में से कौन-सा व्यंजन संघर्षी है?

(a) झ (b) ठ

(c) ह (d) म

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

संघर्षी (ऊष्म) व्यंजन चार हैं - श, ष, स, ह।

5. अघोष वर्ण कौन-सा है?

(a) अ (b) ज

(c) ह (d) स

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-II परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

उपर्युक्त वर्णों में 'स' अघोष वर्ण है। नाद की दृष्टि से जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में, स्वरतंत्रियाँ झंकृत नहीं होती हैं वें अघोष वर्ण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला व दूसरा वर्ण अघोष होता है- उदाहरण- क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स।

6. हिन्दी वर्णमाला में ऊष्म व्यंजन कौन-से हैं?

(a) च, छ, ज, झ (b) ट, ठ, ड, ढ

(c) त, थ, द, ध (d) श, ष, स, ह

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

हिन्दी वर्णमाला में ऊष्म व्यंजन हैं- श, ष, स, ह।

7. हिन्दी वर्णमाला में 'छ' से 'ड' के ठीक बीच में कौन-सा अक्षर है?

(a) ठ (b) ञ

(c) ढ (d) झ

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

हिन्दी वर्णमाला में 'छ' से 'ड' के ठीक बीच में 'ञ' अक्षर है।

8. हिन्दी वर्णमाला में अन्तःस्थ व्यंजन कौन-से हैं?

(a) श ष स ह (b) य र ल व

(c) क्ष त्र ज्ञ श्र (d) च छ ज झ

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

हिन्दी वर्णमाला में य, र, ल, व अन्तःस्थ व्यंजन हैं। श, ष, स, ह ऊष्म व्यंजन हैं। क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

9. निम्नलिखित व्यंजनों में से कौन-सा संयुक्त व्यंजन नहीं है?

(a) क्ष (b) ष

(c) त्र (d) श्र

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

'ष' संयुक्त व्यंजन नहीं है। क्ष, त्र, श्र, ज्ञ संयुक्त व्यंजन हैं।

शब्द रचना

सन्धि-विच्छेद

1. 'सख्यागमन' का सही सन्धि-विच्छेद है–

(a) सखी + आगमन (b) सखि + आगमन

(c) सखी + गमन (d) सख्या + गमन

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

यण् सन्धि के अनुसार, यदि इ या ई के पश्चात् इ तथा ई को छोड़कर कोई और (अ सवर्ण) स्वर हो, तो इ या ई के स्थान पर य् हो जाता है। 'सख्यागमन' का सही सन्धि-विच्छेद 'सखी + आगमन' है।

2. रीति + अनुसार की सन्धि–

(a) रीतिनुसार (b) रीतिअनुसार

(c) रीत्यनुसार (d) रीतियानुसार

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

'रीति + अनुसार' की सन्धि रीत्यनुसार होती है। यहाँ पर 'इ + अ = य' हो रहा है। यह यण सन्धि है।

3. निम्न में सन्धि है - 'एतन्मुरारी'

(a) व्यंजन सन्धि (b) स्वर सन्धि

(c) विसर्ग सन्धि (d) अयादि सन्धि

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

यदि किसी वर्ग के प्रथम वर्ण के बाद कोई अनुनासिक वर्ण हो, तो प्रथम वर्ण के बदले उसी वर्ग का अनुनासिक वर्ण हो जाता है। जैसे - एतत् + मुरारी = एतन्मुरारी, चित् + मय = चिन्मय, वाक् + मय = वाङ्मय।

4. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें स्वरसन्धि है?

(a) तपोगुण (b) रामायण

(c) अतएव (d) सज्जन

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

रामायण का सन्धि विच्छेद 'राम + अयन' होता है। यहाँ पर 'अ + अ' मिलकर 'आ' हो जाता है। यह दीर्घ स्वर सन्धि है। 'तपोगुण' का सन्धि विच्छेद 'तपः + गुण' होता है। यह विसर्ग सन्धि है। 'सज्जन' का सन्धि विच्छेद 'सत् + जन' होता है। यह व्यंजन सन्धि है।

5. दो समीपवर्ती वर्णों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, वह कहलाता है–

(a) अवयव (b) प्रत्यय

(c) समास (d) सन्धि

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

दो समीपवर्ती वर्णों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, वह सन्धि कहलाता है।

6. 'अन्वीक्षण' का सन्धि विच्छेद करिए–

(a) अन + वीक्षण (b) अनु + ऐषण

(c) अनु + इक्षण (d) अन्वी + क्षण

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर–(*)

'अन्वीक्षण' का सन्धि विच्छेद अनु + ईक्षण होता है। यह यण सन्धि है। यहाँ पर 'उ + ई' मिलकर 'वी' हो रहा है। हालांकि प्रश्नगत विकल्प में इसका विच्छेद 'अनु + इक्षण' दिया है जो कि गलत है। इसका शुद्ध रूप 'अनु + ईक्षण' होना चाहिए।

7. 'गौः + चरति' की सन्धि है–

(a) गोस्चरति (b) गौचरति

(c) गौश्चरति (d) गौह्चरति

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

विसर्ग सन्धि के नियम के अनुसार, यदि विसर्ग के बाद च या छ हो, तो विसर्ग का श् हो जाता है। जैसे–

पुनः + चर्चा = पुनश्चर्चा

दुः + चरित्र = दुश्चरित्र

निः + चल = निश्चल

गौः + चरति = गौश्चरति

8. वधूर्मि का सन्धि विच्छेद है-

(a) वधू + उर्मि (b) वधू + ऊर्मि

(c) वधु + उर्मि (d) वधु + ऊर्मि

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

'वधूर्मि' का सन्धि विच्छेद है- वधू + ऊर्मि (ऊ + ऊ = ऊ)। इसमें दीर्घ सन्धि है। अ, आ, इ, ई, उ, ऊ के बाद यही स्वर आने पर दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं। जैसे - विद्या + आलय = विद्यालय।

9. अन्वेषण का शुद्ध सन्धि विच्छेद है-

(a) अन्वेष + ण (b) अन्वे + षण

(c) अनु + वेषण (d) अनु + एषण

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

'अन्वेषण' का शुद्ध सन्धि विच्छेद 'अनु + एषण' है। इसमें यण स्वर सन्धि है। जब ह्रस्व या दीर्घ इ, उ, ऋ के बाद कोई असमान स्वर आये, तो इ, उ, ऋ के स्थान पर क्रमशः य, व, र हो जाता है।

10. उड्डयन का सन्धि-विच्छेद होगा—

(a) उत् + डयन (b) उड् + डयन

(c) उत् + अयण (d) उद् + अयण

UPSSSC राजस्व निरीक्षक परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

'उड्डयन' का सन्धि-विच्छेद है 'उत् + डयन'। इसमें व्यंजन सन्धि है। यदि क्, च्, ट्, त्, प् के बाद वर्गों का तृतीय या चतुर्थ वर्ण (ग, घ, ज, झ, ड, ढ, द, ध, ब, भ) अथवा य, र, ल, व अथवा कोई स्वर हो, तो क्, च्, ट्, त्, प् के स्थान पर उसी वर्ग का तीसरा वर्ण ग्, ज्, ड्, द्, ब् हो जाता है।

11. 'सच्छास्त्र' का समुचित सन्धि-विच्छेद है—

(a) सच् + छास्त्र

(b) सत् + शास्त्र

(c) सत् + छास्त्र

(d) सच् + शास्त्र

UPSSSC अमीन परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

'सच्छास्त्र' का समुचित सन्धि-विच्छेद 'सत् + शास्त्र' है। इसमें व्यंजन सन्धि है। इसके अनुसार 'त्' एवं 'श' मिलकर 'च्छ' हो जाता है।

12. दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, वृद्धि सन्धि, यण् सन्धि व अयादि सन्धि, सन्धि के किस मूल भेद के अन्तर्गत सन्निहित हैं?

(a) व्यंजन सन्धि

(b) स्वर सन्धि

(c) विसर्ग सन्धि

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

स्वर सन्धि के पाँच भेद बताये जाते हैं- दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, वृद्धि सन्धि, यण् सन्धि तथा अयादि संधि। हिन्दी व्याकरण की दृष्टि से पाँचवें भेद में उपजाऊपन न होने के कारण हम नये शब्दों का निर्माण नहीं कर सकते। जो शब्द संस्कृत में सिद्ध हो गए, हिन्दी के लिए वे रूढ़ शब्द हैं, यौगिक नहीं। **जैसे**-नयन, पवन, पावक, नायक, आय आदि।

13. 'पावन' का सन्धि विच्छेद होगा-

(a) पा + वन (b) प + आवन

(c) पौ + अन (d) पो + अन

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-II परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

पावन का सन्धि विच्छेद पौ + अन है। यहाँ पर औ + अ मिलकर आव् हो जा रहा है। यह अयादि स्वर सन्धि है।

14. 'यशोदा' में प्रयुक्त सन्धि का नाम है-

(a) स्वर (b) व्यंजन

(c) विसर्ग (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-II परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

'यशोदा' विसर्ग सन्धि है। इसका विच्छेद यशः + दा होता है। यदि किसी अकारांत शब्द के अंत में विसर्ग हो (जैसे- मनः, यशः) और उससे परे अ स्वर अथवा किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ या कोई अन्तःस्थ व्यंजन आ जाय तो विसर्ग (:) के स्थान पर 'ओ' हो जाता है।

15. उच्चारण का सन्धि-विच्छेद होगा-

(a) उच् + आरण (b) उतः + चारण

(c) उत् + चारण (d) उचः + चारण

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-I परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

उच्चारण का सन्धि विच्छेद उत् + चारण है। यहाँ त् तथा च मिलकर च्च हो जा रहा है। यह व्यंजन सन्धि है।

16. भूर्ध्व का सन्धि है-

(a) भूः + ध्व (b) भू + उर्ध्व

(c) भुः + ध्व (d) भूः + व

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-I परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

भूर्ध्व का सन्धि विच्छेद भू + उर्ध्व होगा। यहाँ पर ऊ + उ = ऊ हो रहा है। यह दीर्घ सन्धि है।

17. दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार या परिवर्तन को कहते हैं—

(a) सन्धि (b) समास

(c) उपसर्ग (d) प्रत्यय

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से होने वाले विकार को सन्धि कहते हैं। जैसे- विद्या + आलय (आ+आ) = विद्यालय।

18. 'सत्याग्रह' का सही सन्धि-विच्छेद है-

(a) सत्या + ग्रह (b) सत + आग्रह

(c) सत्य + ग्रह (d) सत्य + आग्रह

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

'सत्याग्रह' का सही सन्धि-विच्छेद 'सत्य + आग्रह' है। इसमें अ + आ = आ हुआ है। इसमें दीर्घ स्वर सन्धि है।

19. निम्न में से कौन-सा 'उच्छ्वास' का सन्धि विच्छेद है?

(a) उत् + छ्वास (b) उच् + श्वास

(c) उच्छ + वास (d) उत् + श्वास

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उत् + श्वास = उच्छ्वास। इसमें व्यंजन सन्धि है। त् या द् के बाद श् हो तो त् या द् का च् और श् का छ् हो जाता है। जैसे- शरत् + शशि = शरच्छशि।

20. 'सच्छास्त्र' का उचित विच्छेद निम्न में से कौन-सा है?

(a) सच् + शास्त्र (b) सत् + शास्त्र

(c) सत + शास्त्र (d) सच + शास्त्र

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सामान्य चयन) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

'सच्छास्त्र' का उचित विच्छेद 'सत् + शास्त्र (त् + श = छ) है। इसमें व्यंजन सन्धि है।

21. 'निः + कलंक' का सही सन्धि शब्द कौन-सा है?

(a) निष्कालंक (b) निष्कलंक

(c) निस्कलंक (d) निश्कलंक

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

'निः + कलंक' का सही सन्धि शब्द 'निष्कलंक' है। इसमें विसर्ग सन्धि है। विसर्ग से पहले इ, उ और बाद में क, ख, ट, ठ, प, फ में से कोई वर्ण हो तो विसर्ग का 'ष' हो जाता है।

22. 'पवन' का सन्धि-विच्छेद कौन-सा है?

(a) पव + न (b) पो + अवन

(c) पव + अन (d) पो + अन

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

'पवन' का सन्धि-विच्छेद 'पो + अन' है। इसमें अयादि सन्धि है।

23. 'निर्धन' में कौन-सी सन्धि है?

(a) व्यंजन सन्धि (b) विसर्ग सन्धि

(c) अयादि सन्धि (d) यण सन्धि

राजस्व लेखपाल (प्रथम पाली) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

'निर्धन' का सन्धि-विच्छेद 'निः +धन' होता है जो कि विसर्ग सन्धि है।

24. 'रीत्यनुसार' शब्द का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

(a) रीति + अनुसार (b) रीत्य + अनुसार

(c) रीतु + अनुसार (d) रीत + अनुसार

राजस्व लेखपाल (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

'रीत्यनुसार' शब्द का सन्धि-विच्छेद 'रीति+अनुसार' होगा। यह यण् स्वर सन्धि है।

25. 'उच्छ्वास' का सही सन्धि-विच्छेद है-

(a) उत् + छवास (b) उच् + श्वास

(c) उच् + छवास (d) उत् + श्वास

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं। उच्छ्वास का सन्धि-विच्छेद करने पर उत् + श्वास होता है। यहाँ त् + श् = च्छ हो जा रहा है। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं।

जैसे- उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट ।

सत् + शासन = सच्छासन ।

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र ।

समास

1. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द बहुव्रीहि समास का उदाहरण है?

(a) त्रिभुज (b) दशानन
(c) नवरात्र (d) त्रिलोक

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

दशानन का अर्थ है– दश हैं आनन जिसके अर्थात् रावण। यह बहुव्रीहि समास का उदाहरण है। इस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता और दोनों ही पद मिलकर एक नया अर्थ प्रकट करते हैं। त्रिभुज, नवरात्र एवं त्रिलोक द्विगु समास के उदाहरण हैं।

2. 'चक्रपाणि', 'चन्द्रभाल' तथा 'सुलोचना' में क्रमशः समास है-

(a) कर्मधारय, द्वंद्व, तत्पुरुष (b) सभी सम्प्रदान तत्पुरुष
(c) सभी बहुव्रीहि (d) तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वंद्व

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

चक्रपाणि - चक्र है पाणि में जिसके (विष्णु)
चन्द्रभाल - चन्द्रमा है भाल पर जिसके (शिव)
सुलोचना - सुन्दर है लोचन जिसके (स्त्री विशेष)
अतः चक्रपाणि, चन्द्रभाल तथा सुलोचना में बहुव्रीहि समास है।

3. निम्न में से कौन-सा 'चक्रपाणि' में प्रयुक्त समास है?

(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) बहुव्रीहि (d) कर्मधारय

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

जब दो शब्द मिलकर (समासयुक्त होकर) किसी तीसरे शब्द का विशेषण बन जायें, तो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। इस समास में अन्य पद प्रधान होता है एवं विग्रह करने पर वाला, वाली और जो, जिस आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
जैसे- चक्रपाणि- चक्र है हाथ में जिसके।
चतुर्भुज- चार हैं भुजायें जिसकी।
इसी प्रकार- जितेन्द्रिय, कृतकार्य, दत्तधन, निर्जन, विमल, बड़बोला आदि में भी बहुव्रीहि समास है।

4. बहुव्रीहि समास का उदाहरण कौन-सा है?

(a) पंचवटी (b) करोड़पति
(c) चतुर्भुज (d) चरण कमल

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-II परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

बहुव्रीहि समास का उदाहरण चतुर्भुज है। बहुव्रीहि समास वह होता है जिसमें पूर्व पद व उत्तर पद दोनों ही प्रधान नहीं होते। दोनों मिलकर तीसरे प्रधान पद की व्याख्या करते हैं। अर्थात् दोनों मिलकर किसी तीसरे शब्द की ओर संकेत करते हैं। जैसे- चतुर्भुज- चार भुजाएँ हैं जिसकी अर्थात् 'विष्णु'।

5. नीचे दिए गए शब्दों में से अव्ययीभाव समास का चयन कीजिए।

(a) पाप-पुण्य (b) आजीवन
(c) घुड़सवार (d) पीताम्बर

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

'आजीवन' शब्द का अर्थ 'जीवन-भर' होता है। इसमें अव्ययीभाव समास है। जिस समास में पहला पद अव्यय एवं दूसरा पद संज्ञा हो और समस्त पद में अव्यय के अर्थ की ही प्रधानता हो उसे 'अव्ययीभाव समास' कहते हैं।

6. सरासर में कौन-सा समास है?

(a) द्वन्द्व (b) द्विगु
(c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष

UPSSSC राजस्व निरीक्षक परीक्षा, 2016

उत्तर–(c)

अव्ययों अथवा उपसर्गों के साथ संज्ञा पदों का समास 'अव्ययीभाव समास' कहलाता है। इसे 'पूर्वपद-प्रधान समास' भी कहते हैं। इस समास में पूर्वपद अव्यय होता है। अतः सम्पूर्ण सामासिक पद भी अव्यय बन जाता है। हिन्दी में अव्ययीभाव समास से निष्पन्न पदों को तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–1.संस्कृत के उपसर्गों, गति शब्दों और अव्ययों के संयोग से बने सामासिक पद, 2. अरबी-फारसी के अव्ययों के संयोग से बने सामासिक पद और 3. हिन्दी की अपनी प्रक्रिया से निष्पन्न सामासिक पद। हिन्दी की अपनी प्रक्रिया से निष्पन्न सामासिक शब्दों के तीन भेद हैं–

1. **पुनरुक्त शब्द**–घर-घर, पल-पल, रातों-रात, एकाएक, सरासर, धड़ाधड़ आदि।
2. **अपने (तद्भव) उपसर्गों से बने शब्द**–भरपेट, भरदुपहरी, बिनजाने, नजाने आदि।
3. **संकर शब्द**–बेधड़क, हर घड़ी, भर बाजार, पीढ़ी-दर-पीढ़ी आदि।

7. 'तिरंगा' में कौन-सा समास है?

(a) द्वन्द्व (b) द्विगु
(c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016

उत्तर-(b)

'तिरंगा' में द्विगु समास है। तिरंगा का समास विग्रह है – तीन रंग वाला। जिस समास का प्रथम पद संख्यावाचक और अंतिम पद संज्ञा हो, उसे द्विगु समास कहते हैं।

8. धीरे-धीरे का समास-

(a) द्वन्द्व (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) द्विगु समास

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर-(b)

अव्ययी का अर्थ है- अव्यय हो जाना। वास्तव में यह क्रिया-विशेषण अव्यय का काम करता है अर्थात् क्रिया की विशेषता बताता है। पहले खण्ड की प्रधानता होती है। उदाहरणस्वरूप- 'भरपेट' में अव्ययी भाव समास है। अव्ययी भाव समास के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं- अनजाने, दिनोंदिन, रातोंरात, कानोंकान, हाथोंहाथ, बीचोंबीच, धीरे-धीरे, आमने-सामने आदि।

9. समास बताइये—'भरपेट'

(a) अव्ययीभाव समास
(b) द्वन्द्व समास
(c) तत्पुरुष समास
(d) बहुव्रीहि समास

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर-(a)

'भरपेट' में अव्ययीभाव समास है इसका विग्रह 'पेट-भर' होता है।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 10-11)—उपयुक्त समास चिह्नित कीजिए।

10. पथभ्रष्ट

(a) अव्ययीभाव (b) द्वन्द्व
(c) तत्पुरुष (d) कर्मधारय

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर-(c)

'पथभ्रष्ट' में तत्पुरुष समास है। यह अपादान तत्पुरुष के अंतर्गत आता है। जहाँ समास के पूर्व पक्ष में अपादान की विभक्ति अर्थात् 'से' (विलग) का भाव हो, वहाँ अपादान तत्पुरुष समास होता है।

11. अष्टाध्यायी

(a) बहुव्रीहि (b) द्विगु
(c) कर्मधारय (d) तत्पुरुष

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2016

उत्तर-(b)

अष्टाध्यायी में द्विगु समास है। जिस समास में प्रथम पद संख्यावाचक और अंतिम पद संज्ञा हो, उसे द्विगु समास कहते हैं।

12. 'योगदान' में कौन-सा समास है?

(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) कर्मधारय (d) बहुव्रीहि

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर-(b)

'योगदान' का समास विग्रह 'योग का दान' (योगस्य दानः)। इसके आधार पर 'योगदान' में षष्ठी तत्पुरुष समास है।

13. "राजपुत्र" में कौन-सा समास है?

(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर-(a)

"राजपुत्र" में तत्पुरुष समास है। इस समास में उत्तर पद प्रधान होता है। इसके निर्माण में दो पदों के बीच कारक चिह्नों का लोप हो जाता है। जैसे- राजपुत्र-राजा का पुत्र।

14. इस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है-

(a) अव्ययीभाव (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर-(b)

द्विगु समास वह समास है जिसमें पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो। इसमें समूह या समाहार का ज्ञान होता है। जैसे- सप्तसिन्धु-सात सिन्धुओं का समूह।

15. जिस समास का पूर्वपद (पहला पद) प्रधान हो, उसे कौन-सा समास कहते हैं?

(a) सम्बन्ध तत्पुरुष
(b) कर्मधारय
(c) अव्ययीभाव
(d) द्वन्द्व

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर-(c)

अव्ययीभाव समास अव्यय एवं संज्ञा के योग से बनता है और इसका क्रिया विशेषण के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें प्रथम पद (पूर्वपद) प्रधान होता है। इस समस्त पद का रूप किसी भी लिंग, वचन आदि के कारण नहीं बदलता है। जैसे- प्रतिदिन- प्रत्येक दिन।

16. 'त्रिवेणी' शब्द में कौन-सा समास है?

(a) कर्मधारय (b) बहुव्रीहि

(c) द्विगु (d) द्वन्द्व

राजस्व लेखपाल (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

जिस समास का प्रथम पद संख्यावाची हो, वहाँ द्विगु समास होता है। प्रस्तुत शब्द 'त्रिवेणी' में प्रथम पद (त्रि) संख्यावाची है। अत: इसमें द्विगु समास है।

17. 'युद्ध में स्थिर रहने वाला'– किस समास का विग्रह पद है?

(a) करण तत्पुरुष

(b) अलुक् तत्पुरुष

(c) सम्प्रदान तत्पुरुष

(d) सम्बन्ध तत्पुरुष

UPSSSC अमीन परीक्षा, 2016

उत्तर—(b)

'युद्ध में स्थिर रहने वाला' अलुक् तत्पुरुष समास का विग्रह पद है। जब तत्पुरुष समास में पूर्व पद की विभक्ति का लोप न हो, उस समय अलुक् तत्पुरुष समास होता है।

18. 'वाचस्पति' किस समास का समस्त पद है?

(a) सम्बन्ध तत्पुरुष

(b) बहुव्रीहि

(c) नञ् तत्पुरुष

(d) अलुक् तत्पुरुष

UPSSSC चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

'वाचस्पति' शब्द अलुक् तत्पुरुष समास का समस्तपद है। अलुक् तत्पुरुष समास वाले पदों में पूर्व पद में विभक्ति शेष रहती है।

19. निम्न में से कौन-सा कर्मधारय समास है?

(a) नीलगगन (b) त्रिफला

(c) पतझड़ (d) गाँव-शहर

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

जब कोई एक खण्ड विशेषण या उपमा सूचक शब्द हो तो कर्मधारय समास बनता है। इसे समानाधिकरण तत्पुरुष भी कहते हैं, क्योंकि विग्रह करने पर इसके दोनों पदों की विभक्ति एक ही होती है। ये समास विशेषण-विशेष्य और उपमान-उपमेय की स्थिति के अनुसार बनते हैं।

जैसे-

(क) विशेषण + विशेष्य - कालीमिर्च, महात्मा, भलामानस, नीलकमल, नीलगगन आदि।

(ख) विशेष्य + विशेषण - मुनिवर, पुरुषोत्तम, देशान्तर, नराधम।

(ग) विशेषण + विशेषण - मोटा-ताजा, सीधा-सादा (उपमेय + उपमान)

(घ) विशेष्य + विशेष्य - चरणकमल, बदनसुधाकर।

20. 'देव जो महान है' यह किस समास का उदाहरण है?

(a) अव्ययीभाव

(b) कर्मधारय

(c) बहुव्रीहि

(d) तत्पुरुष

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

जिस समास के समस्त होने वाले पद समानाधिकरण हो, अर्थात् विशेष्य-विशेषण-भाव को प्राप्त हो, कर्ता कारक के हो और लिंग वचन में समान हो, वहाँ कर्मधारय समास होता है।

जैसे-

नील कंठ - नीला है जो कंठ।

लालमणि - लाल है जो मणि।

महापुरुष - महान है जो पुरुष।

महादेव - महान है जो देव।

21. 'देशान्तर' में कौन-सा समास है?

(a) द्विगु

(b) द्वन्द्व

(c) कर्मधारय

(d) बहुव्रीहि

राजस्व लेखपाल (प्रथम पाली) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

'देशान्तर' में कर्मधारय समास है।

उपसर्ग

1. **उपसर्ग का प्रयोग होता है-**

(a) शब्द के आदि में

(b) शब्द के मध्य में

(c) शब्द के अन्त में

(d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर–(a)

उपसर्ग = उप (समीप) + सर्ग (सृष्टि करना) का अर्थ है- किसी शब्द के समीप आकर नया शब्द बनाना। जो शब्दांश शब्दों के आदि में जुड़कर उनके अर्थ में कुछ विशेषता लाते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। 'हार' शब्द का अर्थ है- पराजय। परन्तु इसी शब्द के आगे 'प्र' शब्दांश जोड़ने से बनेगा 'प्रहार' (प्र+हार) जिसका अर्थ है- चोट करना।

2. **निम्न में से कौन-सा 'अ' उपसर्ग से नहीं बना शब्द है?**

(a) अत्याचार

(b) अध्यादेश

(c) अपवाद

(d) अनाथ

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(*)

अत्याचार में अति उपसर्ग, अध्यादेश में अधि उपसर्ग, अपवाद में अप उपसर्ग तथा अनाथ में अ उपसर्ग है। इस प्रकार अ उपसर्ग से a, b, c तीनों विकल्प निर्मित नहीं हैं। अतः प्रश्न विवाद की श्रेणी में आता है। अ हिन्दी का उपसर्ग है।

3. **इनमें से क्या 'उपसर्ग' नहीं है?**

(a) अ (b) चिर

(c) प्रति (d) इका

UPSSSC आबकारी सिपाही (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

'इका' उपसर्ग नहीं, बल्कि प्रत्यय है। अ, चिर, प्रति उपसर्ग हैं।

4. **किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?**

(a) अपवाद (b) पराजय

(c) प्रभाव (d) ओढ़ना

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर–(d)

अपवाद में 'अप', पराजय में 'परा', प्रभाव में 'प्र' उपसर्ग है जबकि ओढ़ना में कोई उपसर्ग नहीं है।

5. **'परा' उपसर्ग का अर्थ है-**

(a) भीतर (b) उल्टा

(c) बाहर (d) आस-पास

UPSSSC आबकारी सिपाही (प्रथम पाली) परीक्षा, 2016

उत्तर–(b)

'परा' उपसर्ग का अर्थ है- दूर, उल्टा, कम से। 'बहिः' उपसर्ग का अर्थ 'बाहर' होता है जबकि 'अंतर' उपसर्ग का अर्थ 'भीतर' होता है।

6. **'बहिर्मुखी' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?**

(a) बहि (b) बहिर्

(c) बहिर (d) बहिस

UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

'बहिर्मुखी' शब्द में बहिर् उपसर्ग है। इसका उपसर्ग से बने अन्य शब्द हैं- बहिर्गमन, बहिर्जगत।

7. **निम्न में से कौन-सा 'निस्संकोच' शब्द में प्रयुक्त संस्कृत उपसर्ग है?**

(a) निस् (b) निःस

(c) नि (d) निः

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(*)

उपसर्ग उन शब्दांशों का नाम है, जो क्रिया तथा कृदन्त शब्दों के पूर्व जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। संस्कृत उपसर्ग निम्न हैं- प्र, परा, अप, सम् , अनु, अव, निस् , निर् , दुस, दुर, वि, आ (आङ्), नि, अधि, अपि, अति, सु, उत, अभि, प्रति, परि, उप। ये 22 उपसर्ग हैं। निस् उपसर्ग के संयोग से निर्मित शब्द- निस्तेज, निस्सन्देह, निस्संकोच आदि। उपर्युक्त विकल्प में (a) व (d) दोनों सत्य हो सकते हैं।

प्रत्यय

1. 'मिठास' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग है?

(a) मीठा

(b) ठास

(c) आस

(d) प्यास

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

''मिठास'' शब्द में 'आस' प्रत्यय का प्रयोग है। 'आस' प्रत्यय इच्छावाचक, भाववाचक संज्ञा का प्रत्यय है। जैसे- छपास, लिखास आदि। प्रत्यय उस भाषिक इकाई को कहते हैं, जिसका प्रयोग स्वतंत्र रूप से न हो और जिसे किसी अन्य भाषिक इकाई के अन्त में जोड़कर शब्द-रचना की जाय। जैसे-
सुन्दर + ता = सुन्दरता। यहाँ 'ता' प्रत्यय है।

2. 'आंशिक' शब्द में प्रत्यय क्या है?

(a) अ (b) क

(c) इक (d) शिक

UPSSSC ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

'आंशिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय है। इक प्रत्यय से बने अन्य शब्द हैं- लौकिक (लोक + इक), चारित्रिक (चरित्र + इक), भौतिक (भूत + इक) आदि।

3. 'कहावत' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है-

(a) हावत (b) वत

(c) कह (d) आवत

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-II परीक्षा, 2016

उत्तर—(d)

कहावत शब्द में आवत प्रत्यय जोड़ा गया है। कहावत शब्द का संधि विच्छेद कह + आवत = कहावत होगा।

4. निम्नलिखित पद में कौन-सा पद 'वैया' प्रत्यय लगाने से बना है?

(a) रवैया (b) डटैया

(c) खवैया (d) बचैया

UPSSSC सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा-III (सा. चयन) परीक्षा, 2016

उत्तर—(c)

'वैया' प्रत्यय लगाने से बने शब्द हैं—खवैया, गवैया इत्यादि। ऐया प्रत्यय से बनने वाले शब्द है—रखैया, बचैया, डटैया।

5. निम्न में से कौन-सा 'लुटेरा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है?

(a) एरा (b) रा

(c) आ (d) इरा

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

कमेरा, चितेरा, पथेरा, लुटेरा आदि में एरा प्रत्यय लगा हुआ है। यह कर्तृवाचक संज्ञा बनाने वाला कृत प्रत्यय है।

6. सुमित्रा में प्रत्यय होगा—

(a) आ (b) अ

(c) इत्रा (d) त्रा

UPSSSC राजस्व निरीक्षक परीक्षा, 2016

उत्तर—(a)

'सुमित्रा' में 'अ' प्रत्यय लगकर 'सौमित्र' शब्द बनता है न कि 'सुमित्रा' में 'अ' प्रत्यय लगा है। वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम एवं विशेषण के साथ जुड़कर उनके स्त्रीलिंग का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय कहा जाता है। जैसे-सुता, छात्रा, अनुजा आदि में 'आ' प्रत्यय' लगा है। उसी प्रकार 'सुमित्रा' (सुमित्र + आ) में भी 'आ' प्रत्यय लगा है। UPSSSC ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) 'अ' दिया है जो कि त्रुटिपूर्ण है जबकि इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) 'आ' होना चाहिए।

7. 'विचार' में 'इक' प्रत्यय लगाने से बना शब्द-

(a) वेचारिक

(b) विचारिक

(c) विचौरिक

(d) वैचारिक

UPSSSC सम्मिलित सहा.लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

'इक' प्रत्यय विशेषज्ञ या पंडित का अर्थ व्यक्त करता है। जैसे- अलंकार से आलंकारिक, तर्क से तार्किक, न्याय से नैयायिक, विज्ञान से वैज्ञानिक, वेद से वैदिक, विचार से वैचारिक आदि। ये शब्द मूल शब्द में आदि स्वर की वृद्धि से बनते हैं।